B.Ed प्रथम year — 30 May 2020 Saturday

समावेशी शिक्षा

समावेशी शिक्षा हेतु अध्यापकों का प्रशिक्षण

सामान्य शिक्षक भी प्राचीन शिक्षण विधियों का ही प्रयोग करता है एवं नवीन शिक्षण आयामों के प्रति इनकी रुचि नहीं है। इसीलिए शिक्षा में गुणवत्ता का विकास नहीं हो पा रहा है। अतः शिक्षा में गुणवत्ता के विकास के लिए शिक्षक प्रशिक्षण आवश्यक है।

शिक्षक प्रशिक्षण में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की भूमिका → NCERT की स्थापना सितम्बर सन् 1961 में नई दिल्ली में हुई थी। एक स्वायत्त संस्था के रूप में 1960 ई० में इसका पंजीकरण किया गया था। शिक्षा मन्त्रालय को विद्यालयी शिक्षा के लिए परामर्श देना NCERT का मुख्य कार्य है। यह शिक्षा के भीतर नवीन नीतियों को तैयार करने एवं उन्हें लागू करने में भी सहायता करती है।

अतः शिक्षा में गुणवत्ता विकास के लिए शिक्षक प्रशिक्षण आवश्यक है।

NCERT → के क्षेत्रीय महाविद्यालयों में विशिष्ट शिक्षा के प्रशिक्षण के लिए विभाग स्थापित किए गए हैं। इन विभागों के अन्तर्गत विशिष्ट शिक्षा के लिए छः माह का प्रशिक्षण देना प्रारम्भ किया गया है। इन क्षेत्रीय महाविद्यालयों में B.Ed तथा M.Ed के पाठ्यक्रम में विशिष्ट एवं समावेशी शिक्षा को सम्मिलित किया गया।

अध्यापकों के प्रशिक्षण के उद्देश्य →

1 ⇒ विशिष्ट कक्षा की आवश्यकताओं से परिचित कराना।

2 ⇒ बालकों की शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुरूप पठन-पाठन की व्यवस्था करना।

3 ⇒ शिक्षकों में व्यावहारिक एवं निरीक्षण कौशल का विकास करना ताकि वह बालकों की पहचान कर सकें।

4 ⇒ विशिष्ट शिक्षा के नवीन आयामों को समझना साथ ही उनका प्रयोग करना।

Scanned with CamScanner

विशिष्ट या समावेशी शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

बालकों की समावेशी शिक्षा के निर्वाह हेतु सन्दर्भ में अध्यापकों के प्रशिक्षण की दिशा में प्रयास आरम्भ हुए। इसके लिए अन्य आवश्यक पाठ्यक्रमों का प्रारूप तैयार करने में भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय पोषित कार्यक्रम जो अब बाधितों की समेकित शिक्षा के नाम से पहचानी जाती है, को देश-देश में समन्वित शिक्षा को लागू करने में मुख्य भूमिका राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT) ने निभाई।

इस परिषद ने तीन स्तरों पर पाठ्यक्रमों का प्रारूप बनाया।

1 => सभी प्राथमिक शिक्षकों के लिए योजना क्षेत्र में एक सप्ताह का प्रशिक्षण देना।

2 => सेवाकाल में चुने गये शिक्षकों के लिए 6 सप्ताह का प्रशिक्षण।

3 => सन् 1987 में भारतीय शिक्षा अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद, के क्षेत्रीय शिक्षण संस्थाओं में विभिन्न श्रेणियों में शिक्षकों के लिए एक वर्ष का प्रशिक्षण।

1 → मानसिक रूप से बाधितों के लिए राष्ट्रीय संस्थान।

2 → दृष्टि बाधितों के लिए राष्ट्रीय संस्थान देहरादून।

3 → ठाकुर हरि प्रसाद, मानसिक रूप से विकलांगों के लिए शोध एवं पुनर्वास संस्थान हैदराबाद।

4 → अस्थि बाधितों के लिए राष्ट्रीय संस्थान (कोलकाता)

5 → श्रवण बाधितों के लिए अली यावर जंग राष्ट्रीय संस्थान (मुम्बई)

6 → राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान ओलटूर (कटक)

7 → भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली।